मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC)

- वर्तमान-23वें मुख्य चुनाव आयुक्त-सुनील अरोड़ा
- कार्यभार 2 दिसंबर 2018
- रिटायर्ड - 13 अप्रैल 2021
- नये आयुक्त-24वें मुख्य चुनाव आयुक्त-सुशील चंद्रा
- सुशील चंद्रा-13 फरवरी 2019-चुनाव आयुक्त बनाया गया था।
- 13 अप्रैल-**CEC**-पद पर-14 मई 2022
- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड **(CBDT)** के अध्यक्ष रह चुके
- 1980 बैच के **IRS** अधिकारी
- सुशील चंद्रा कार्यकाल-गोवा, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब विधानसभा चुनाव
- निर्वाचन आयोग या चुनाव आयोग-भाग 15
  - लोकसभा, राज्यसभा, विधान सभा, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति
  - स्थापना-25 जनवरी 1950
  - 324-329- अनुच्छेद चुनाव आयोग, कार्य, कार्यकाल, पात्रता
- प्रारंभ में- केवल एक चुनाव आयुक्त
- 16 अक्टूबर 1989-तीन सदस्यीय
- पुनः एक सदस्यीय
- 1 अक्टूबर 1993-तीन सदस्यीय-वर्तमान तक
- **CEC**- एवं अन्य आयुक्त नियुक्ति-राष्ट्रपति
- कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष
- पद- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समकक्ष
- **CEC**- पद से हटाना-सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह

इरावदी डॉल्फिन

- नाम- म्यांमार की इराबदी नदी-संख्या ज्यादा-प्राकृतिक वास स्थल
- सर्वाधिक-बांग्लादेश-6000, कुल-7500
- स्तनपायी जीव-अति संकटापन्न
- कंबोडिया-पवित्र जीव
- डाल्फिन लगभग सभी समुद्र
- भूमध्य सागर में सर्वाधिक
- 404 प्रजातियाँ, मीठे पानी की-4
- भारत-गंगा नदी-दृष्टिहीन
- मीठे पानी की डाल्फिन-2009-राष्ट्रीय जलीय जीव

- उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल-सुस
- इरावदी डॉल्फिन-मछली पकड़ने, विस्फोट, रसायन, संख्या कम
  - शिकार-चर्बी से तैयार तेल- महंगा
- ओडिशा की चिल्का झील
  - इरावदी डॉल्फिन के लिए एक सुरक्षित
  - यहाँ-इरावदी डॉल्फिन को विशेष संरक्षण
  - इरावदी डॉल्फिन संख्या-146-156
  - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 संरक्षण
  - साइट्स-परिशिष्ट-1
  - **IUCN- Red List**- अतिसंकटापन्न

नदी को प्रदूषण मुक्त करने की पहल

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी- नीदरलैण्ड के प्रधानमंत्री-मार्क रूटे-वर्चुअल बैठक
- जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, महामारी
- भारत, नीदरलैण्ड के साथ मिलकर-नदियों के प्रदूषण को दूर
- नीदरलैण्ड की पहचान स्वच्छ जल, सबसे सुरक्षित डेलटा
- 2019 की एक रिपोर्ट-521 नदियों में से-323 नदियाँ अति प्रदूषित
- गंगा, यमुना, बेतवा, घाघरा, काली, हिंडन, भीमा, गोमती, ब्रह्मपुत्र, कावेरी, गोदावरी, झेलम, नर्मदा, साबरमती, सतलुज, तीस्ता
- नदी प्रदूषण के प्रमुख कारण

मेघालय की उमंगोट नदी

- देश की सबसे साफ नदी- पहचान
- पानी कांच की तरह, क्रिस्टल क्लियर
- नाव कांच के ऊपर तैरता
- मेघालय की राजधानी शिलांग से 95 किमी. दूर-पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के-दावरी कस्बे
- जयंतिया एवं खासी समुदाय के लोग सफाई।
- नदी के किनारे तीन प्रमुख गांव-300 घर-सभी मिलकर नदी की सफाई
- महीने में 3-4 दिन-कम्यूनिटी डे-हर घर से एक व्यक्ति
- चारों ओर हरियाली- साफ नदी-तुलना-स्वर्ग में पहने वाली नदी
- नदी से कुछ दूर- मावलिननांग गांव-एशिया का सबसे साफ गांव
- गंदगी फैलाने पर 5000 जुर्माना, नवंबर से अप्रैल-पर्यटक
- इसके ऊपर झूलता हुआ पुल- बांग्लादेश का प्रवेश द्वार

- मेघालय ऊर्जा निगम लिमिटेड- **(MECL)**- बांध का निर्माण 210 **MW** बिजली उत्पादन-उमंगोट जल-विद्युत परियोजना
- यहाँ के लोग विरोध-जनसुनवाई नहीं
- 12 गांव के लोग- विरोध-पूर्वी खासी हिल्स-पश्चिमी जयंतिया हिल्स
- परियोजना
  - खेती योग्य भूमि-डूब
  - सर्दियों में पानी समाप्त
  - आजीविका पर नकारात्मक
  - पर्यटन प्रभावित
  - नदी का सांस्कृतिक महत्व

बिहू पर्व

- असम का मुख्य पर्व
- वर्ष में तीन बार- बोहाग बिहू/बैसाख बिहू या रंगाली बिहू-फसल बुबाई का प्रतीक-नये वर्ष का शुभारंभ
  - भोगाली बिहू/माद्य बिहू-फसल कटाई का त्योहार
  - काटी बिहू/कांगली बिहू-शरद ऋतु का त्योहार
- बोहाग बिहू- अप्रैल माह के मध्य-इस बार-13 अप्रैल
  - प्रथम दिन-गाय-बिहू-गाय को नदी में ले जाकर नहलाते
  - असमी लोगों का नया वर्ष प्रारंभ
  - दूसरा दिन-मनु बिहू या मानव बिहू
- बोहाग बिहू एक सप्ताह, लगभग एक माह तक आयोजन
- सांस्कृतिक-पारंपरिक कार्यक्रमों का आयोजन
- पिछले साल आयोजन नहीं-कोविड

गुड़ी पड़वा

- इस साल-13 अप्रैल
- महाराष्ट्र, गोवा एवं दक्षिण भारत के कई राज्यों
- हिंदू नववर्ष की शुरूआत, नवरात्र पर्व का आरंभ
- मान्यता, भागवान ब्रह्म ने सृष्टि का निर्माण
- मराठा छत्रपति शिवाजी-युद्ध जीतने के बाद पहली बार गुड़ी पड़वा
- महाभारत में युधिष्ठिर का राज्यरोहण-इसी दिन
- किसान रबी फसल चक्र के प्रारंभ
- भागवान राम ने-बालि का वध-आतंक से मुक्त
- नई फसल के आगमन की खुशी मनाने का त्योहार-फसल दिवस

- गुडी-अर्थ-विजय पताका-गुडी अर्थ ध्वज फहराया
- पूजा-अर्चना, साफ-सफाई-पकवान
- महाराष्ट्र- पारंपरिक व्यंजन-पूरन पोली, श्रीखंड मीठे चावल
- इसे उगादी **(Ugadi)** या प्रतिपदा भी कहा जाता है।

बैसाखी/बैशाखी 2021

- 13 अप्रैल- कृषि पर्व नाम से- पंजाब-हरियाणा में फसलों की कटाई
- शाम को आग लगाकर चारों तरफ-नये अन्न
- सिख समुदाय में लोकप्रिय
- सिखों के 10वें गुरू-गोविन्द्र सिंह-13 अप्रैल 1699-वैसाखी-खालसा पंथकी स्थापना
- इसे मेष संक्रांति
- बैशाखी-बंगाली कैलेंडर का प्रथम दिन
- पंजाबी नये साल का प्रारंभ
- इस दिन- आकाश में विशाखा नक्षत्र-बैशाखी

ध्येय IAS most trusted since 2003